

FOR MORE NOTES JOIN OUR TELEGRAM :- [CTET NOTES by LOKESH SIR](#)

जैसे की हम जानते ही हैं कि “शिक्षा “ व्यक्ति के संपूर्ण विकास के लिए बहुत आवश्यक है। इसलिए ये ज़रूरी है की शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए वक्त के साथ शिक्षा नीति में भी बदलाव किया जाता रहे। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 – नई शिक्षा नीति भी समय की मांग और जरूरत के हिसाब से देश की शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाये रखने के लिए लाई गयी है। शिक्षा नीति में बदलाव 34 वर्ष बाद हुआ है। इससे पहले सं०1968 और सं०1986 के बाद ये तीसरी बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बदलाव हुआ है। नई शिक्षा नीति का मसौदा इसरो प्रमुख रह चुके “डॉ० के० कस्तूरिरंगन” की अध्यक्षता में तैयार किया गया है।



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

pmmodiyojanaye.in

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी मिलने पर इसे लागू कर दिया गया है। **नई शिक्षा नीति** का उद्देश्य भारत में स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिवर्तनकारी सुधारों का मार्ग प्रशस्त करना है। इस नीति के तहत स्कूल से लेकर कॉलेज शिक्षा नीति तक में बदलाव किया गया है। साथ ही **“मानव संसाधन विकास मंत्रालय”** को अब **“शिक्षा मंत्रालय”** के नाम से जाना जाएगा। इस पॉलिसी के तहत बहुत से महत्वपूर्ण बदलाव किये गए हैं जिन्हें आगे इस आर्टिकल के ज़रिये जान सकते हैं।

नयी शिक्षा नीति के तहत किये गए बदलाव आने वाले लगभग दो दशकों को ध्यान में रखकर किये गए हैं। **शिक्षा नीति 2020** में किये गए सारे बदलाव एक बार में नहीं बल्कि एक के बाद करके अलग अलग चरणों में लागू किये जाएंगे। इस नीति का मकसद शिक्षा के प्रारूप में बदलाव करके भारत को विकास की राह पर चला वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। **नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** के तहत **सकल नामांकन अनुपात** को **वर्ष 2030** तक सौ प्रतिशत (**100%**) लाने का टारगेट रखा गया है। शिक्षा क्षेत्र पर **जी.डी.पी** के **6%** हिस्से का सार्वजनिक व्यय भी इस **शिक्षा नीति** के तहत किया गया है। ये केंद्र और राज्य सरकार की सहायता से किया जाएगा।

नई शिक्षा नीति के अनुसार अब **5 +3 +3 +4** वाला **पैटर्न** फॉलो किया जाएगा। अब से शिक्षा में रटने की बजाए कॉन्सेप्ट समझने पर ज़ोर दिया जाएगा। सिर्फ ज्ञान ही नहीं उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने की कोशिश रहेगी। कुलमिलाकर सारा ध्यान छात्रों के सर्वांगीण विकास पर होगा।

लेख	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
नीति का शुभारम्भ	शिक्षा मंत्रालय , भारत सरकार।
वर्ष	2020 (प्रस्तुत), 2022 (सक्रिय)
नीति का लाभ पाने वाले	भारत के सभी छात्र एवं छात्राएं
नीति का उद्देश्य	शिक्षा नीति को उत्कृष्ट बनाना और भारत को विश्व में वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना।

FOR MORE NOTES JOIN OUR TELEGRAM :- [CTET NOTES by LOKESH SIR](#)

नयी राष्ट्रीय शिक्षा पॉलिसी 2020 से होने वाले लाभ :-

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति से होने वाले सभी लाभों की चर्चा नीचे विस्तार से इस लेख में कर रहे हैं।

- इसका सबसे पहला लाभ तो यही है की आज की शिक्षा व्यवस्था की पुरानी सभी खामियों को हटाने का प्रयास किया है। नई नीति के तहत इसे उत्कृष्ट और सार्वभौमिक बनाने पर ध्यान दिया गया है।
- इस **नयी एजुकेशन पालिसी** के तहत छात्रों के ज्ञान के साथ साथ उनके स्वास्थ्य और कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य कार्ड भी बनाये जाएंगे। नियमित रूप से छात्रों की स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था भी सम्मिलित है।
- **नेशनल एजुकेशन पॉलिसी** को लागू करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जी डी पी का 6 प्रतिशत हिस्सा व्यय किया जाएगा।
- **नयी शिक्षा नीति** के तहत अब छात्रों को अपने विषय का चुनाव स्वयं करने का अधिकार होगा। छात्रों को पहले की तरह आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स में से किसी एक को नहीं चुनना पड़ेगा। वो चाहे तो इन तीनों ही स्ट्रीम्स से विषय चुन सकते हैं।
- इस नीति में बोर्ड परीक्षा का प्रारूप भी बदला गया है। अब से बोर्ड की परीक्षाएं साल में एक की बजाए दो बार कराई जाने की बात कही गयी है। इस से छात्रों पर पढ़ाई का बोझ खत्म होगा। सालभर की बजाए आखिरी के दो या तीन माह पढ़कर परीक्षा देने की प्रवृत्ति भी खत्म होगी।
- **नयी शिक्षा नीति** में अब छात्र अपनी भाषा में पढ़ पाएंगे और एग्जाम भी उसी भाषा में दे पाएंगे। भारत की अन्य प्राचीन भाषा जैसे संस्कृत को पढ़ने का भी ऑप्शन दिया गया है। अंग्रेजी की अनिवार्यता खत्म कर दी गयी है।
- अब से शैक्षिक सत्र में छात्रों को तकनीकी ज्ञान देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्हें कक्षा 6 से ही कोडिंग आदि सिखायी जाएगी और इंटरनेट भी करायी जाएगी।
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** में विद्यार्थियों का बोझ कम करने और पढ़ाई में उनकी रूचि बढ़ाने के लिए “**अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर**” के माध्यम से शिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिस से रटने की जगह उनकी समझ बढ़ाने पर ध्यान दिया जा सकेगा।
- स्वस्थ शरीर के साथ ही स्वस्थ मस्तिष्क होना भी जरूरी है इसलिए पाठ्यक्रम में पढ़ाई के साथ ही खेल-कूद , कला इत्यादि “**एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज**” को भी अनिवार्य किया है।
- **नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** के अंतर्गत अब विद्यार्थी ऑफलाइन कक्षाओं के साथ साथ ऑनलाइन भी पढ़ सकेंगे। इस सम्बन्ध में उन्हें पढ़ने की सामग्री अब ऑनलाइन भी उपलब्ध कराई जाएगी।

शिक्षा बजट के लिए सुझाव



नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू करने
सरकारी खर्च का 20% शिक्षा को मिले

स्कूल-कॉलेज में ऑनलाइन स्टडी के लिए
फ्री मोबाइल, इंटरनेट की सुविधा मिले

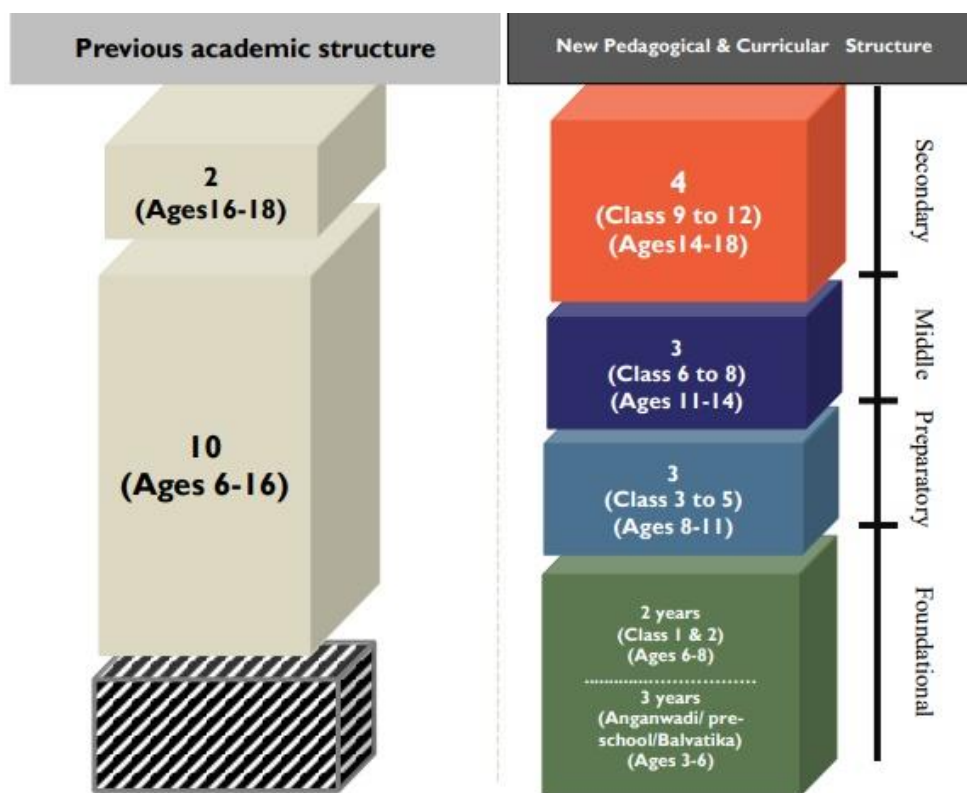
कोविड से बचाव और सैनिटाइजेशन के
लिए भी बजट में अलग रकम दी जाए

एजुकेशन लोन लेना आसान बनाया जाए,
इस पर ब्याज की दरें भी कम की जाएं

नयी शिक्षा नीति 2020 में किये गए बदलाव / नयी शिक्षा नीति में क्या है ? / नयी शिक्षा नीति के तहत किये गए बदलाव।

नयी शिक्षा नीति 2020 में पुरानी शिक्षा नीति की खामियों को हटाकर नए पाठ्यक्रम को लाया गया है। इस में इस बात का खास खयाल रखा गया है कि पाठ्यक्रम सरल और सहज हो। जो विद्यार्थियों की समझ में आ सके व बेवजह का बोझ न बने। ऐसी शिक्षा प्रणाली हो जिस से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के** अंतर्गत पाठ्यक्रम को छात्रों के लिए रुचिपूर्ण बनाया गया है तथा तकनीकी ज्ञान और उसके प्रैक्टिकल / ट्रेनिंग को भी सम्मिलित किया गया है। नयी नीति में शिक्षा की गुणवत्ता का उच्चतर स्तर बनाये रखने का प्रयास किया गया है। ज्ञान सिर्फ रटने व परीक्षा पास करने के लिए नहीं बल्कि उनकी तार्किक, रचनात्मक, नैतिक सोच आदि का विकास करने के लिए है।

FOR MORE NOTES JOIN OUR TELEGRAM :- [CTET NOTES by LOKESH SIR](#)



इस पाठ्यक्रम को एक बार में कार्यान्वित नहीं किया जाएगा। नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत इसे अलग-अलग चरणों में लागू किया जाएगा। इसके कुल चार चरण होंगे। नयी नीति के तहत अब शिक्षण व्यवस्था 5 +3 +3 +4 की प्रक्रिया में होगी। ये पुरानी प्रक्रिया 10 +2 के आधार से अलग है। नयी शिक्षा नीति के तहत 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद' (National Council of Educational Research and Training- NCERT) द्वारा पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी। लेख में आगे हम इसी पर विस्तार से लिख रहे हैं।

फाउंडेशन स्टेज / मूलभूत चरण (पूर्व प्राथमिक और ग्रेड 1 व 2) (5 वर्ष)

ये राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आने वाला पहला चरण है। पहले की शिक्षा नीति में 6 वर्ष तथा उस से बड़े बच्चों को ही एजुकेशन सिस्टम का भाग माना जाता था। पर अब प्री-प्राइमरी एजुकेशन को भी अब फॉर्मल एजुकेशन माना जाएगा। यानी की अब से 3 से 6 वर्ष के बच्चे भी शिक्षा व्यवस्था का भाग होंगे। इस उम्र तक बच्चों के मस्तिष्क का सही विकास और शारीरिक वृद्धि हो सके इस बात को ध्यान में रखकर नयी नीति में उनके लिए पाठ्यक्रम में खेल कूद व अन्य गतिविधियाँ रखी हैं।

नयी शिक्षा नीति के तहत अब प्रारंभिक बाल्यकाल अवस्था से ही बच्चों को आगे आने वाली शिक्षा दीक्षा के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए सम्बंधित संगठनात्मक (बुनियादी) ढाँचे को और मजबूत बनाया जाएगा। जैसे की आंगनबाड़ी की कार्यकर्त्रियों/शिक्षकों को ट्रेनिंग देना तथा बाल सुलभ, हवादार भवन का निर्माण इत्यादि। 5 साल से कम आयु के बच्चों के लिए “बालवाटिका” का प्रावधान भी किया गया है। यहाँ खेल कूद के साथ-साथ संख्या ज्ञान आदि दे दिया जाएगा। साथ ही कक्षा दो तक कोई भी परीक्षा नहीं ली जाएगी। इस तरह बच्चों को बिना दबाव के शिक्षित किया जाएगा एवं साथ ही उनकी शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ाई जाएगी।

प्रेपरेटरी स्टेज (3 वर्ष)

अगले चरण को प्रिपरेटरी स्टेज नाम दिया गया है, जहाँ बच्चों को आगे के पाठ्यक्रम के लिए तैयार किया जाएगा। इस स्टेज में **कक्षा 3 से 5** तक को शामिल किया गया है जिनकी *उम्र 8 से 11 वर्ष* के बीच हो सकती है। इन कक्षाओं के छात्र अपनी मातृभाषा तथा स्थानीय भाषा में भी पढ़ाई कर सकते हैं। यही नहीं वो चाहें तो परीक्षा भी स्थानीय या मातृभाषा में दे सकते हैं। नयी शिक्षा नीति के तहत ये कदम यही सोच के उठाया गया है की अपनी भाषा में ज्ञान अर्जित करना ज्यादा रोचक व सरल होता है। इसके चलते विद्यार्थियों को दिया ज्ञान ज्यादा प्रभावी और कारगर होता है।

अंग्रेजी भाषा की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है और इसे एक विषय के रूप में अब भी पढ़ाया जाएगा। हालाँकि जो अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने के इच्छुक हों उनके लिए भी ऑप्शन है। इस स्टेज में छात्रों को संख्यात्मक कौशल व भाषा का मूलभूत ज्ञान दिया जाएगा। कक्षा 3 से अब परीक्षा की शुरुआत हो जाएगी।

मिडिल स्टेज (3 वर्ष)

इस स्टेज में **कक्षा 6 से 8** तक के विद्यार्थी आएँगे जिनकी **उम्र 11 से 14 वर्ष** के बीच हो सकती है। इस कक्षा से अब कंप्यूटर ज्ञान और कोडिंग की जानकारी दी जाने लगेगी। सभी को आवश्यक रूप से रूचि के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा और उसके बाद इंटर्नशिप भी करवाई जाएगी। इसके लिए उन्हें मार्क्स भी मिलेंगे। इस तरह से प्रशिक्षण के साथ साथ उनमें व्यावहारिक समझ भी विकसित की जाएगी। इस चरण में बच्चों को बाकी सब्जेक्ट्स के साथ कोई भी एक भारतीय भाषा (जैसे क्षेत्रीय भाषा) का भी आवश्यक रूप से ज्ञान दिया जाएगा।

FOR MORE NOTES JOIN OUR TELEGRAM :- [CTET NOTES by LOKESH SIR](#)

मोदी कैबिनेट ने नई शिक्षा नीति को दिखाई हरी झंडी अब मातृभाषा में पढ़ सकेंगे बच्चे एमफिल पाठ्यक्रम होंगे बंद



व्यरो/नवज्योति, नई दिल्ली। मोदी कैबिनेट ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को हरी झंडी दिखा दी है। साथ ही कैबिनेट ने मानव संसाधन और विकास मंत्रालय का नाम बदल कर शिक्षा मंत्रालय करने की सिफारिश को भी मंजूरी प्रदान कर दी है। नई शिक्षा नीति में बड़ा बदलाव करते हुए भाषा के विकल्प को बढ़ा दिया गया है, अब छात्रों को शुरुआत से ही स्थानीय भाषा के साथ तीन अलग-अलग भाषाओं में शिक्षा देने का प्रावधान रखा गया है। नई शिक्षा नीति में छात्रों को कक्षा छठी से आठवीं

के बीच कम से कम दो साल का लैंग्वेज कोर्स भी प्रस्तावित है। वहीं नई शिक्षा नीति के तहत एमफिल पाठ्यक्रमों को बंद किया जाएगा। साथ ही अब बोर्ड परीक्षाएं जानकारी के अनुप्रयोग पर आधारित होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक के बाद नई शिक्षा नीति की औपचारिक घोषणा केन्द्रीय मंत्रियों प्रकाश जावड़ेकर और डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने संयुक्त रूप से की। नई शिक्षा नीति के तहत कोई छात्र ■ शेष पृष्ठ-9

एचआरडी का नाम अब होगा शिक्षा मंत्रालय

बनाया जाएगा खास प्रोग्राम

नई शिक्षा नीति में सरकार ने छात्रों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करने का भी प्रस्ताव रखा है। इसके लिए 3 से 18 साल के छात्रों के लिए 5+3+3+4 का डिजाइन तय किया गया है। इसके तहत छात्रों की शुरुआती स्टेज की पढ़ाई के लिए 5 साल का प्रोग्राम तय

किया गया है। इनमें 3 साल प्री-प्राइमरी और क्लास-1 और 2 को जोड़ा गया है, इसके बाद क्लास-3, 4 और 5 को अगले स्टेज में रखा गया है। इसके अलावा क्लास-6, 7, 8 को तीन साल के प्रोग्राम में बांटा गया है। आखिर क्लास-9, 10, 11, 12 को हाई स्टेज में रखा गया है।

फिजिक्स के साथ पढ़ सकेंगे फैशन डिजाइनिंग

मौजूदा शिक्षा नीति के तहत फिजिक्स ऑनर्स के साथ केमिस्ट्री, मैथ्स लिया जा सकता है। इसके साथ फैशन डिजाइनिंग नहीं ली जा सकती थी। लेकिन नई नीति में मेजर और माइनर की व्यवस्था होगी, जो मेजर प्रोग्राम हैं उसके अलावा माइनर प्रोग्राम भी लिए जा सकते हैं। इसके दो फायदे होंगे, आर्थिक या अन्य कारण से जो लोग ड्रॉप आउट हो जाते हैं वो वापस सिस्टम में आ सकते हैं, इसके अलावा जो अलग-अलग विषयों में रुचि रखते हैं, जैसे जो म्यूजिक में रुचि रखते हैं, लेकिन उसके लिए कोई व्यवस्था नहीं रहती है। नई शिक्षा नीति में मेजर और माइनर के माध्यम से ये व्यवस्था रहेगी।

फिजिकल एजुकेशन को बनाया गया जरूरी

छात्रों का शारीरिक और मानसिक विकास भी हो सके इसके लिए पढ़ाई के साथ फिजिकल एजुकेशन को जरूरी बनाने का नियम रखा गया है। स्कूल के हर स्तर पर खेल, मार्शल आर्ट्स, डांस, गार्डनिंग और योगा जैसी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज भी सुनिश्चित की जाएंगी।

सेकेंडरी स्टेज (4 वर्ष)

इस स्टेज में **कक्षा 9 से लेकर 12** तक के छात्र आएँगे जिनकी उम्र सीमा **14 से 18 वर्ष** हो सकती है। **नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति** के अनुसार अब **कक्षा 9 से 12** तक के विद्यार्थियों को सेमेस्टर वाइज देना पड़ेगा। जबकि पहले परीक्षा सालभर में एक बार होती थी। जिस से बच्चे परीक्षा से पहले के तीन महीने पढ़कर परीक्षा में उत्तीर्ण होते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि सालभर में दो परीक्षाएं होने से छात्रों को अध्ययनरत रहना होगा।

अब छात्रों को आर्ट्स साइंस और कॉमर्स में से किसी एक स्ट्रीम को ही पढ़ने की बाध्यता खत्म कर दी गयी है। छात्र चाहें तो साइंस, कॉमर्स के विषय के साथ आर्ट्स के विषय भी ले सकते हैं। हालांकि इसके लिए विषयों के पूल बनाये जाने की भी व्यवस्था की जाएगी।

मूल्यांकन : विद्यार्थियों का मूल्यांकन अब पहले की तरह नहीं किया जाएगा। नयी **शिक्षा नीति 2020** के तहत अब उनका रिपोर्ट कार्ड नयी प्रक्रिया से तैयार होगा। किसी भी छात्र को फाइनल रिपोर्ट कार्ड पर अंक देते हुए उसके ओवरऑल परफॉरमेंस को देखा जाएगा। उसका व्यवहार, उसकी एक्स्ट्रा करीकुलर एक्टिविटीज में भागीदारी व प्रदर्शन, तथा उसकी मानसिक क्षमताओं का भी ध्यान रखा जाएगा। अब से **रिपोर्ट कार्ड 360 डिग्री असेसमेंट** के आधार पर बनेगा, जिसमें विषय पढ़ाने वाले अध्यापक के साथ साथ छात्र अपना व अपने सहपाठियों का विश्लेषण कर खुद को और सहपाठियों को भी अंक देंगे।

क्रम सं०	चरण	वर्ष संख्या	कक्षा	विद्यार्थी की उम्र
1	पहला – फाउंडेशन स्टेज	5 वर्ष	प्री – प्राइमरी (3 वर्ष)+कक्षा 1 व 2	6 से 8 वर्ष तक
2	दूसरा -प्रीपेरटरी स्टेज	3 वर्ष	कक्षा 3 से लेकर कक्षा 5 तक	8 से 11 वर्ष
3	तीसरा -मिडिल स्टेज	3 वर्ष	कक्षा 6 से लेकर कक्षा 8 तक	11 से 14 वर्ष
4	चौथा – सेकेंडरी स्टेज	4 वर्ष	कक्षा 9 से लेकर 12 कक्षा तक	14 से 18 वर्ष

नई शिक्षा नीति भविष्य बनाने का महायज्ञ : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जरूरत के बारे में बात करते हुए कहा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति महज सर्कुलर नहीं, भारत के वर्तमान और भविष्य को बनाने के लिए महायज्ञ है, इसमें आप सभी का योगदान बहुत आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि जमाना क्या सोचना है से कैसे सोचना है कि तरफ बढ़ गया है। मोदी ने कहा, अभी तक हमारी शिक्षा व्यवस्था में 'क्या सोचना है' पर फोकस रहा है जबकि इस शिक्षा नीति में 'कैसे सोचें' पर बल दिया जा रहा है। आज सूचनाओं की बाढ़ है। ऐसे में यह जरूरी है कि कौन सी जानकारी हासिल करनी है और क्या पढ़ना है। पीएम ने कहा, किसी भी विकास में एक बड़ी भूमिका रहती है। किसान-मजदूर समेत समाज के हर तबके की गरिमा ऊंच-नीच का भाव, मेहनत-मजदूरी करने वालों के प्रति हीन भाव इस प्रकार की विकृति हमारे अंदर कैसे घर कर गई। बड़ी वजह रही कि हमारी शिक्षा का समाज के इस तबके के साथ जुड़ाव न हो पाना। यूरो



भारतीय प्रतिभा देश में ही रहकर करे काम...पीएम ने एबीजे अब्दुल कलाम के उद्धरण को याद करते हुए कहा, कलाम कहा करते थे-शिक्षा का उद्देश्य कौशल और विशेषज्ञता के साथ एक अच्छा इंसान बनाना है। प्रबुद्ध मानव का निर्माण शिक्षकों द्वारा किया जा सकता है। एक प्रयास यह भी है कि जो प्रतिभाएं हैं, वह भारत में ही रहकर विकास करें।

जुनून पूरा करने में बाधक न हो व्यवस्था

शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो किसी को उसके जुनून के मुताबिक लक्ष्य प्राप्ति की राह में बाधक के बजाय मददगार बने। हर विद्यार्थी जरूरत के हिसाब से डिग्री ले सके।

जीवनभर एक प्रोफेशन में नहीं टिका रहेगा कोई

हम उस समय की ओर बढ़ रहे हैं जहां कोई व्यक्ति जीवनभर एक प्रोफेशन में नहीं टिका रहेगा। उसे निरंतर खुद को फिर से कौशल या कौशल में अपडेट होते रहना होगा।

अनुसंधान-शिक्षा के अंतराल को खत्म करने में अहम भूमिका... मोदी के मुताबिक, शिक्षा नीति से तकनीक आधारित बेहतर सामग्री व पाठ्यक्रम के विकास में मदद मिलेगी। इसकी अनुसंधान-शिक्षा के अंतराल को खत्म करने में अहम भूमिका होगी।

घर की बोली से मजबूत होगी बुनियाद

पीएम बोले, इसमें कोई विवाद नहीं है कि बच्चों के घर की बोली और स्कूल में पढ़ाई की भाषा एक होने से सीखने की गति बेहतर होती है। यह बहुत बड़ी वजह है जिससे पांचवीं कक्षा तक बच्चों को उनकी मातृभाषा में ही पढ़ाने पर सहमति दी है। इससे बच्चों की नींव मजबूत होगी।

लोग हाथों से बने उत्पाद अपनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हथकरघा दिवस पर उन लोगों को सलाम किया, जो इस क्षेत्र से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री ने हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े लोगों की प्रशंसा करते हुए अपील कि लोग हाथों से बने उत्पादों को प्रोत्साहित कर आत्मनिर्भर भारत को मजबूती प्रदान करें। मोदी ने ट्वीट किया, हम अपने अतुलनीय हथकरघा व हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े लोगों को सलाम करते हैं। उन्होंने हमारे देश के स्वदेशी शिल्प को संरक्षित रखने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। एजेंसी

पीएम आज करेंगे राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का उद्घाटन

पीएम मोदी शनिवार को 'राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र' का उद्घाटन करेंगे। महात्मा गांधी को समर्पित राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र की घोषणा 10 अप्रैल, 2017 को प्रधानमंत्री ने चंपारण 'सत्याग्रह' के 100 वर्ष पूरे होने पर की थी। यह स्वच्छ भारत मिशन पर संवादात्मक अनुभव केंद्र होगा।

शिक्षण प्रणाली से जुड़े सुधार

एडमिशन: नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत अब शिक्षा क्षेत्र में कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए भी नए प्रावधान बनाये गए हैं। अब से कॉलेज में एडमिशन के लिए अगर छात्रों को **12वीं** के मार्क्स के आधार पर (कटऑफ के बेस पर) मनपसंद कॉलेज में सीधे एडमिशन नहीं मिलता है तो वो छात्र **CAT** (कॉमन एंटीटुड टेस्ट) एग्जाम दे सकते हैं। फिर 12 वीं तथा कैट एग्जाम के अंक मिलाकर वे अपनी पसंद की यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने का अवसर पा सकते हैं।

“मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट”: नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ग्रेजुएशन की पढ़ाई को अब 4 और 3 साल के टाइम पीरियड में बांटा गया है। जिसमें अब **“मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट”** की सुविधा दी गयी है। इसके तहत अगर कोई विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री की पढ़ाई बीच में अधूरी छोड़कर जाता है या किसी कारणवश अपनी पढ़ाई पूरी नहीं पाता तो उसे एक साल में सर्टिफिकेट कोर्स, दो साल में डिप्लोमा, और 3 साल में बैचलर्स की डिग्री मिलेगी। वहीं अगर कोई 4 साल की पढ़ाई पूरी करता है तो उसे बैचलर्स के साथ रिसर्च का सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

बीच में छोड़ने के बाद अगर कोई व्यक्ति अपनी पढ़ाई पूरी करने का इच्छुक हो तो वो भी अपनी पढ़ाई फिर से शुरू कर सकता है इसके लिए उसे फिर से ग्रेजुएशन के फर्स्ट ईयर से शुरू करने की जरूरत नहीं होगी। जिस वर्ष की पढ़ाई अधूरी रह गयी थी वहीं से शुरू कर सकते हैं। यहाँ भी छात्र अपनी पसंद से विषयों का चुनाव कर सकते हैं।

अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट (ABC) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अब छात्रों को अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। अब से सभी छात्रों के अंक, रिपोर्ट, डाक्यूमेंट्स आदि ऑनलाइन या डिजिटल तरीके से सेव किये जाएंगे। पढ़ाई के दौरान सेमेस्टर में क्रेडिट्स मिलेंगे जिसके अंतर्गत कोई भी छात्र जो किसी कारणवश अपने सेमेस्टर पूरे नहीं कर पाता है तो वो अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए इस अकादमिक बैंक में अपने क्रेडिट्स का प्रयोग करके पढ़ाई बाद (एक निश्चित अवधि) में पूरी कर सकता है। इस बैंक में जमा क्रेडिट का उपयोग वो दूसरे संस्थान में जाने के लिए भी प्रयोग कर सकता है।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से सम्बंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- **वोकेशनल ट्रेनिंग को दिया जाएगा महत्व** : नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत 2025 तक वोकेशनल पढ़ाई करने वालों का प्रतिशत 50% तक लाने का लक्ष्य रखा है जो अभी तक 5 प्रतिशत से भी कम है। कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को वोकेशनल ट्रेनिंग दी जाएगी जिसमे उन्हें बाग़बानी, मिट्टी के बर्तन बनाना, बिजली का काम आदि सिखाया जाएगा।
- **एम फिल को किया समाप्त और अब 4 साल का होगा बी० एड :-नयी एजुकेशन पालिसी 2020** में एम फिल कार्यक्रम को ख़त्म कर दिया गया है। साथ ही अब बी एड प्रोग्राम को 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष कर दिया गया है।
- **भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना** : नयी शिक्षा नीति के तहत कक्षा 5 तक अंग्रेजी की अनिवार्यता हटा मातृभाषा तथा क्षेत्रीय भाषा में पढ़ने की सुविधा दी है।
- **विदेशी भाषा भी सम्मिलित** : विद्यार्थियों को अब माध्यमिक स्तर से विदेशी भाषाएं भी सिखाई जाएंगी। इस तरह से छात्रों को कहीं भी किसी भी क्षेत्रों में पिछड़ने से बचाया जा सकता है।
- **नयी शिक्षा नीति के तहत भाषाओं को जान ने वाले शिक्षकों की भर्ती** : भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली भाषाओं का ज्ञान रखने वाले शिक्षकों की भर्ती की जाएगी ताकि अपनी भाषा में छात्र बिना किसी समस्या के पढ़ सकें।
- **किसी एक स्ट्रीम के चुनाव की बाध्यता ख़त्म** : अब से स्कूल व कॉलेज में किसी भी एक स्ट्रीम को चुन ने की बाध्यता ख़त्म कर दी गयी है। छात्र अपने विषय अपनी पसंद से चुन सकेंगे। इसके लिए पाठ्यक्रम में विषयों का पूल बनाया जाएगा जिसमे छात्रों को अपने सब्जेक्ट्स का चुनाव करने में सुविधा होगी।
- **शिक्षा के साथ कौशल विकास पर भी ध्यान** : नए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अब छात्रों को शिक्षा के साथ अब कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा। उन्हें शुरूआती कक्षाओं से ही संगीत, नृत्य, योग, मूर्तिकला आदि अन्य कलाओं में भी पारंगत किया जाएगा।
- **मल्टीपल एग्जिट, मल्टीपल एंट्री की सुविधा** : नई नीति के तहत अब पढ़ाई में किसी कारणवश छात्र को ब्रेक लेना पड़ता है तो वो बाद में भी अपनी पढ़ाई को पूरी कर सकता

है। इसके लिए छात्र को फिर शुरुआत से नहीं पढ़ना होगा। साथ ही छात्र को उसके पढ़े हुए अवधि के अनुसार सर्टिफिकेट , डिप्लोमा , डिग्री आदि प्रदान किये जाएंगे।

- **अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट** : अब विद्यार्थियों से सम्बंधित जानकारीयां , डाक्यूमेंट्स व अंक आदि को डिजिटल रूप में संग्रहित किया जाएगा। जिसे बाद में उनके डिग्री प्रदान करते वक्त इस्तेमाल किया सकेगा।
- **भारतीय उच्च शिक्षा आयोग** पूरे उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिये एक एकल नियामक के रूप में कार्य करेगा। इसके तहत चिकित्सा एवं कानूनी शिक्षा को नहीं रखा गया है। इसके चार निकाय होंगे -राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा नियामकीय परिषद , सामान्य शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय प्रत्यायन परिषद तथा उच्चतर शिक्षा अनुदान परिषद।
- विकलांग बच्चों के विकास के लिए भी नयी शिक्षा नीति में बदलाव किये गए हैं।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से सम्बंधित प्रश्न उत्तर

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में क्या है ?

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पुरानी शिक्षा प्रणाली को बदलकर नया पाठ्यक्रम लाया गया है। इसके तहत पिछले 10 +2 के पाठ्यक्रम को बदलकर 5+3+3+ 4 वाला पाठ्यक्रम किया गया है। नयी नीति के अंतर्गत अब 3 से 18 साल के छात्रों को शिक्षा के अधिकार कानून 2009 के तहत रखा गया है। नए पाठ्यक्रम में बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही उनके समग्र विकास पर ध्यान दिया गया है।

नयी एजुकेशन पालिसी कब से लागू होगी ?

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी संभवतयः 2021 में लागू होगी। हालाँकि इस से सम्बंधित किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ये प्रक्रिया 2021 से अलग अलग चरणों में पूरी की जाएगी।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 में 5 + 3 + 3 + 4 फॉर्मेट क्या हैं ?

नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020 के चार चरण हैं।

फाउंडेशन स्टेज जो 5 वर्षों का होगा (पूर्व प्राथमिक और ग्रेड 1 व 2)

प्रिपरेटरी स्टेज जो 3 वर्षों का होगा। (ग्रेड 3 से 5)

मिडिल स्टेज भी 3 वर्षों का होगा (ग्रेड 6 से 8 तक)

सेकेंडरी स्टेज 4 वर्षों का होगा (ग्रेड 9 से 12 तक)

नयी एजुकेशन पालिसी में क्या एक स्ट्रीम के विषयों को लेने की बाध्यता खत्म कर दी गयी है ?

नई एजुकेशन पालिसी में एक ही स्ट्रीम के विषयों को लेने की बाध्यता को खत्म कर दिया गया है। अब छात्र अपनी रूचि के हिसाब से अपने विषय चुन सकेंगे। साइंस और कॉमर्स के साथ ही

आर्ट्स के विषय भी लिए हैं। इसके लिए शिक्षा नीति के अंतर्गत विभिन्न विषयों का पूल बनाया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य छात्रों की रटने की प्रवृत्ति को खत्म कर उनके सर्वांगीण विकास को महत्व देना है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों को प्रारंभिक सालों के दौरान ही उनमें किसी विषय को बिना दबाव के समझने और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

नयी एजुकेशन पालिसी में बी एड ० तथा एम फिल० से सम्बंधित क्या बदलाव है ?

नयी एजुकेशन पालिसी में एम फिल० के प्रोग्राम को खत्म कर दिया गया है। बी एड० प्रोग्राम की अवधि अब बढ़ा दिया गया है। अब 2 साल की जगह 4 साल में पूरा किया जा सकेगा।

मल्टीपल एग्जिट और एंट्री क्या है ?

मल्टीपल एग्जिट और एंट्री छात्रों को मिलने वाली सुविधा है। इस सुविधा के तहत कोई भी छात्र यदि किसी कारणवश पढ़ाई छोड़ता है तो उसे पढ़ाई की समयावधि के अनुसार सर्टिफिकेट , डिप्लोमा या फिर डिग्री प्रदान की जाएगी। साथ ही अगर वो आने वाले समय में अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहे तो ऐसा कर सकता है। इसके लिए पहले साल से पढ़ने की जरूरत नहीं है। वो अपने बचे हुए कोर्स को ही पूरा कर सकता है।

FOR MORE NOTES JOIN OUR TELEGRAM :- [CTET NOTES by LOKESH SIR](#)